

प्रेषक,

ओम प्रकाश,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

अधिष्ठाता,  
प्रौद्योगिकी महाविद्यालय,  
पन्तनगर (ऊधमसिंह नगर)।

प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा अनुभाग-1

देहरादून। दिनांक : 04 सितम्बर, 2016

विषय: वित्तीय वर्ष 2016-17 में "पन्त कॉलेज ऑफ़ टेक्नोलॉजी, पन्तनगर को 20-सहायक अनुदान" के अन्तर्गत 'आयोजनेत्तर पक्ष' में प्राविधानित धनराशि अवमुक्त किए जाने के संबंध में।

महोदय,

कृपया वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-490/XXVII-I/2016 दिनांक 31.03.2016, शासनादेश संख्या-847/XXVII-I/2016 दिनांक 26.07.2016, आपके पत्र संख्या-वि0नि0/सी.टी.ई./आयोजनेत्तर/16-17/401 दिनांक 15.06.2016 एवं पत्र संख्या-सी.टी.ई./आयोजनेत्तर/16-17/401 दिनांक 07.08.2016 की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि विषयगत योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्यय के 'आयोजनेत्तर पक्ष' में व्ययित कुल धनराशि ₹ 93.35 लाख के सापेक्ष प्रथम चार माह हेतु ₹ 31.12 लाख (₹ इकत्तीस लाख बारह हजार मात्र) को निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन संलग्नक-1 सूची में अंकित मदों पर नियमानुसार व्यय हेतु अवमुक्त करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं : -

1. उक्त धनराशि का व्यय करते हुए उक्त संदर्भित शासनादेश दिनांक 31.03.2016 एवं दिनांक 26.07.2016 में वित्त विभाग द्वारा दिए गये निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाएगा।
2. उक्त शासनादेश दिनांक 31.03.2016 एवं दिनांक 26.07.2016 के प्राविधानानुसार अवचनबद्ध मदों की आवश्यकताओं को स्वीकृत की जा रही धनराशि की सीमा तक ही सीमित रखते हुए धनराशि का व्यय किया जाएगा।
3. उक्तानुसार स्वीकृत की जा रही धनराशि प्रथमतः आहरित करके महाविद्यालय/विश्वविद्यालय के पी.एल.ए. में रखी जाएगी तथा वास्तविक आवश्यकतानुसार ही प्रतिमाह आहरित की जाएगी।
4. उक्त धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, कि जिसे व्यय करने से पूर्व बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका अथवा मूल आदेशों के अधीन सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक हो। ऐसे में सक्षम अधिकारी की स्वीकृति व्यय के पूर्व प्राप्त कर ली जायेगी तथा धनराशि माहवार वास्तविक आवश्यकतानुसार ही आहरित की जायेगी।
5. स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय आवंटित सीमा तक उसी अधिष्ठान/परिसर के लिए किया जायेगा, जिसके लिए यह स्वीकृति दी जा रही है।
6. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण संलग्नकानुसार तालिका के क्रमांक-1 से 09 में वर्णित मदों हेतु ही किया जायेगा तथा व्यय में मितव्ययिता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये समस्त शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा।

7. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2017 तक उपयोग करके कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण तथा उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को आवश्यक रूप से प्रस्तुत किया जाएगा।
8. फर्नीचर व उपकरणों आदि का क्रय पदधारकों हेतु नियमानुसार निर्धारित मानकों तथा उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के प्राविधानानुसार ही किया जायेगा।
9. कम्प्यूटर आदि क्रय के पूर्व एन.आई.सी./आई.टी. विभाग की नियमानुसार संस्तुति प्राप्त कर ली जायेगी।
10. उपकरणों/निर्माण सामग्री क्रय करने हेतु मानकों तथा उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 एवं इस संबंध में समय-समय पर निर्गत आदेशों का पालन कड़ाई से किया जाए।
11. स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग अगले त्रैमास हेतु धनराशि की मांग से पूर्व करके कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण तथा उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जाएगा।
12. मितव्ययता के फलस्वरूप अवशेष धनराशि को वित्तीय वर्ष के अन्त में नियमानुसार शासन/वित्त विभाग को समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
13. उक्त अनुदान का देयक कॉलेज के वित्त नियंत्रक/वित्त अधिकारी के द्वारा हस्ताक्षरित तथा जिलाधिकारी, ऊधमसिंह नगर द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किया जाएगा।

2- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्यय में 'अनुदान संख्या-11' के 'आयोजनेत्तर' पक्ष के अन्तर्गत लेखाशीर्षक संख्या "2203-तकनीकी शिक्षा-00-112-इंजीनियरिंग/तकनीकी कॉलेज तथा संस्थान-00-03-पन्त कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, पन्तनगर को सहायक अनुदान" के मानक मद "20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता" के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश शासनादेश संख्या-183/XXVII-I/2012 दिनांक 28.3.2012 द्वारा विहित व्यवस्था के क्रम में [www.cts.uk.gov.in](http://www.cts.uk.gov.in) से सॉफ्टवेयर के माध्यम से उपरोक्त स्वीकृति/बजट आवंटन हेतु निर्गत विशिष्ट नम्बर/अलॉटमेंट आई.डी. संख्या (संलग्नक-2) के अन्तर्गत तथा वित्त विभाग के उक्त संदर्भित शासनादेश दिनांक 31.03.2016 एवं दिनांक 26.07.2016 द्वारा प्राप्त सहमति के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्न : यथोपरि।

भवदीय,

(ओम प्रकाश)  
प्रमुख सचिव।

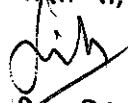
संख्या : 306(1)/XLI(1)/2016 तददिनांक।

प्रतिलिपि : निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।
2. महालेखाकार, ऑडिट, उत्तराखण्ड, इन्दिरा नगर, देहरादून।
3. जिलाधिकारी, ऊधमसिंह नगर।
4. मुख्य कोषाधिकारी/वरिष्ठ कोषाधिकारी, ऊधमसिंह नगर।
5. वित्त नियंत्रक, पन्तनगर विश्वविद्यालय।
6. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।

(3)

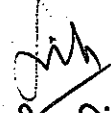
7. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
8. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,  
  
(सुनील सिंह)  
उप सचिव।

शासनादेश संख्या-1306/XLI-1/2016-47/2015 दिनांक: 04 सितम्बर, 2016 का संलग्नक-1

| क्र.सं. | व्यय की मद                       | वांछित धनराशि ₹लाख में |
|---------|----------------------------------|------------------------|
| 1       | यात्रा भत्ता                     | 1.00                   |
| 2       | सामग्री आपूर्ति                  | 7.50                   |
| 3       | व्यवसायिक सेवाएं                 | 10.00                  |
| 4       | टेलीफोन                          | 0.12                   |
| 5       | विविध व्यय                       | 1.50                   |
| 6       | पी.ओ.एल.                         | 2.00                   |
| 7       | टूल्स एंड प्लान्ट्स              | 6.00                   |
| 8       | इन्टरनेट/कम्प्यूटर मरम्मत/रखरखाव | 1.00                   |
| 9       | एम. एंड आर. बिल्डिंग्स           | 2.00                   |
|         | योग (₹)                          | 31.12                  |

(₹इकत्तीस लाख बारह हजार मात्र)

  
(सुनील सिंह)  
उप सचिव।